

भारत की जलवायु (Climate of India)

सम्पूर्ण उत्तरी भारत,
ऑस्ट्रेलिया, सहारा मरू
आदि।

31-50 Years

तापमान, वर्षण, आर्द्रता, वायुदाब,
पवनों की दिशा आदि।

जलवायु - किसी बड़े क्षेत्र की दीर्घकालिक वायुमंडलीय दशाओं का
औसत योग

→ भारत की जलवायु ⇒ उष्णकटिबंधीय मानसूनी

④. मौसम (weather) :- किसी छोटे क्षेत्र की अल्पकालिक वायुमंडलीय स्थिति/दशा को मौसम कहा जाता है।

अक्षांशीय अवस्थिति

कर्क रेखा से ऊपर का भाग शीतोष्ण
तथा नीचे का भाग उष्णकटिबंध में है।

अल-नीनो व ला-नीना ✓

जलवायु को प्रभावित
करने वाले कारक

हिमालय की अवस्थिति

साइबेरियन शीत पवनों की रोकता
है तथा मानसूनी पवनों को रोककर
वर्षा करवाने
में सहायक।

समुद्र तल से ऊंचाई / उतुंगता

✓
शीतोष्ण कटि-चक्रवात
व उष्ण कटि-चक्रवात

समुद्र से दूरी

शीतोष्ण कटि.

उष्णकटिबंध

साइबेरियन शीत पवने

हिमालय की अवस्थिति

23½°N अक्षांश/कर्क रेखा

ग्रीष्मकालीन
मानसूनी
पवने



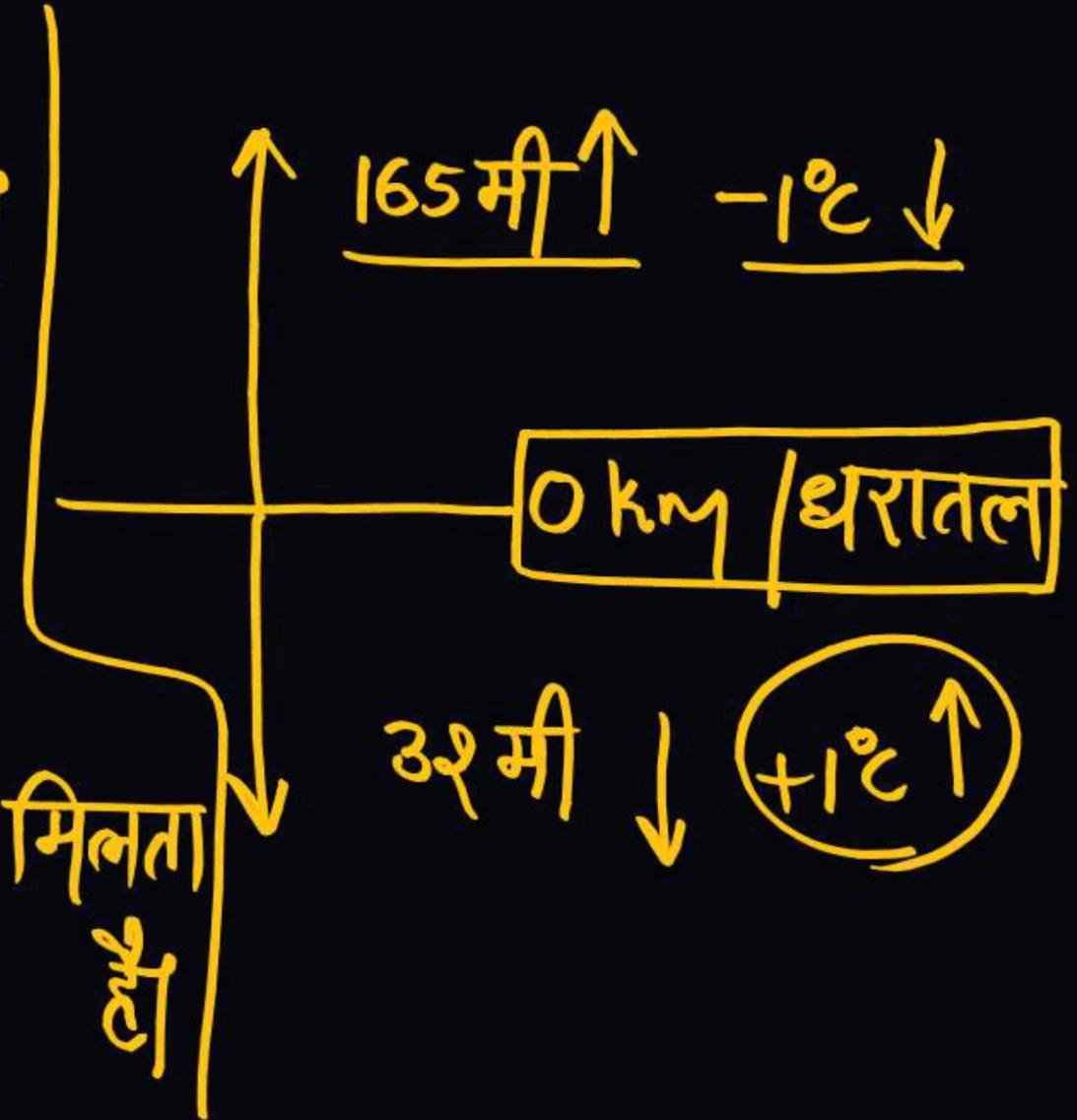
समुद्र तल से ऊँचाई या उँतुगता

height above sea level or Altitude:-

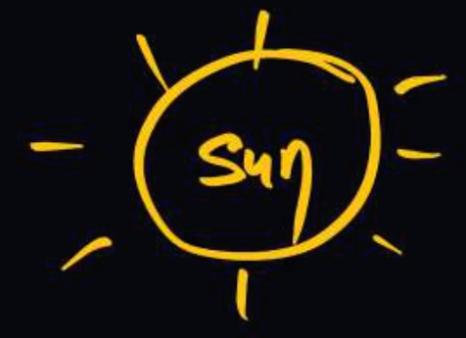
↳ प्रत्येक 165 मी. की ऊँचाई पर तापमान 1°C घटता है

अतः आगरा व दार्जिलिंग दोनों समान अक्षांश
अवस्थित होने के बाद भी शीतकाल के दौरान

आगरा का तापमान 16°C तथा दार्जिलिंग का 4°C मिलता है



समुद्र से दूरी :-
(distance from sea)

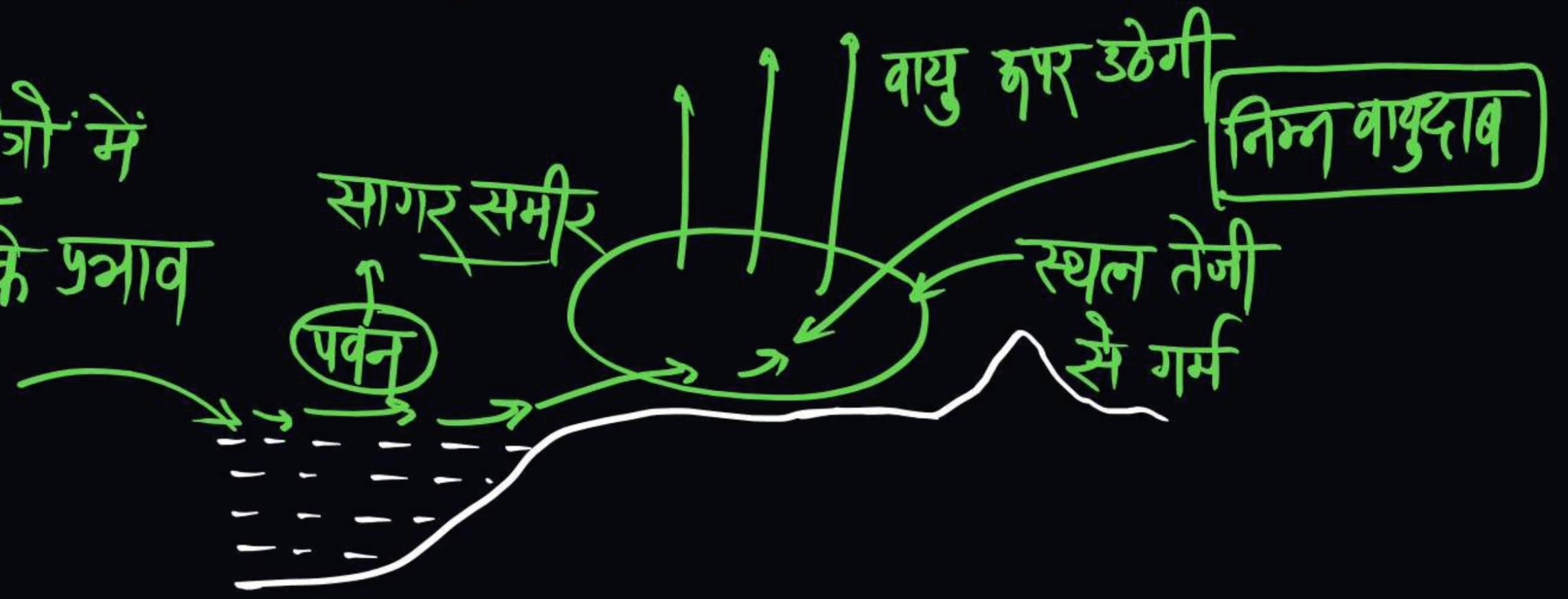


समुद्र तटीय क्षेत्रों में

सागर समीर के प्रभाव

से उच्च
समजलवायु वायुदाब

का विकास हुआ है



समुद्र से दूर आंतरिक भागों में मौसम की चरम दशाएं मिलती हैं।

↓
गर्मी में गर्मी ज्यादा तथा सर्दी में सर्दी अधिक

✓ पश्चिमी जेट स्ट्रीम

शीत वायुराशि

भूमध्य सागरीय चक्रवात या
पश्चिमी विक्षोभ या शीतोष्ण कटि.

उष्ण वायुराशि

चक्रवात :- शीतकाल में

वर्षा - Golden drops

↳ से रबी फसलों को लाभ

रबी फसलों का वरदान



